लखनऊ नगर निगम

मा0 कार्यकारिणी समिति की सामान्य बैठक दिनांक 31.07.2018 को पूर्वाह्न 11:00 बजे बाबू राज कुमार श्रीवास्तव कक्ष में सम्पन्न हुई, की कार्यवाही :–

उपस्थिति :–

1	श्रीमती संयुक्ता भाटिया	मा0 अध्यक्ष/महापौर
2	श्री अरुण कुमार तिवारी	मा0 उपाध्यक्ष
3	श्री गिरीश कुमार मिश्रा	मा0 सदस्य
4	श्री मो0 रागीर	मा0 सदस्य
5	श्री राज कुमार सिंह	मा0 सदस्य
6	श्री राजेश कुमार मालवीय	मा0 सदस्य
7	श्री राजेश सिंह	मा0 सदस्य
8	श्री सुशील कुमार तिवारी	मा0 सदस्य
9	श्री विजय कुमार गुप्ता	मा0 सदस्य
10	श्री विमल तिवारी	मा0 सदस्य

अन्य उपस्थिति :–

1. नगर आयुक्त
2. अपर नगर आयुक्त(एम0)
3. अपर नगर आयुक्त(ए0)
4. मुख्य अभियन्ता
5. मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी
6. मुख्य नगर लेखा परीक्षक
7. मुख्य कर निर्धारण अधिकारी/प्रभारी अधिकारी (समिति)
8. नगर स्वास्थ्य अधिकारी/पर्यावरण अभियन्ता
9. समस्त जोनल अधिकारी
10. तहसीलदार
11. समस्त नगर अभियन्ता
12. उद्यान अधीक्षक(श्री चौरसिया/श्री गौतम)
13. उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी
14. मुख्य अभियन्ता (वि0/यॉ0)
15. महाप्रबन्धक, जलकल
16. सचिव, जलकल
17. कार्यालय अधीक्षक(अधिष्ठान)

Scanned by CamScanner

अध्यक्ष ने अपना आसन ग्रहण किया और बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ करने के निर्देश दिए।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि मा0 अध्यक्ष जी आपने अधिनियम की मंशा के अनुसार आज एक माह के अन्दर बैठक बुलाई, आपको बहुत–बहुत बधाई। इसी तरह से नगर निगम संविधान का सम्मान करते हुए प्रत्येक माह बैठक आयोजित की जाए और प्रत्येक दो माह में सदन की बैठक आहूत की जाए। आज मा0 सदन की बैठक की तिथि की घोषणा कर दी जाए, ताकि हमारे जो मा0 पार्षदगण हैं, वह बैठक की तिथि से अवगत हो जाएं।

अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व बैठक में निर्णय लिया गया था कि ''मा0 कार्यकारिणी समिति की बैठक प्रत्येक माह के अन्तिम शनिवार को (शनिवार को अवकाश होने की स्थिति में सोमवार को) आहूत की जाएगी'', इसी निर्णय के तहत आज बैठक बुलायी गयी है, जबकि इस बीच मा0 प्रधानमंत्री जी के आगमन का कार्यक्रम भी था। लोक सभा का मानसून सत्र चल रहा है, इसलिए सदन की बैठक अभी नहीं बुलाई जा सकी है। आज सदन की बैठक की तिथि तय कर ली जाएगी।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि आज का एजेण्डा मात्र सूचना है, एजेण्डा नहीं है। इस पर निर्णय कैसे लिया जाएगा? एजेण्डे के साथ विभागीय आख्याएं भी नहीं हैं।

अध्यक्ष ने कहा कि आपकी जानकारी में सब विषय हैं, आज विभागीय आख्याएं भी आ गयी हैं।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि आख्याएं अभी मिली हैं, हम लोग पढ़ नहीं पाए हैं, चर्चा कैसे करेंगे?

अध्यक्ष ने पुनः कहा कि सब विषय आपकी जानकारी में हैं, विभागीय आख्याएं पढ़ लीजिए।

नगर आयुक्त ने कहा कि एजेण्डे के अनुसार मद संख्या–1 पूर्व सम्पन्न बैठक की कार्यवाही की पुष्टि।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि कार्यकारिणी समिति की बैठक हो या सदन की बैठक हो। बैठक का संचालन अध्यक्ष द्वारा किया जाता है। जो भी एजेण्डा रखा जाएगा, उस पर निर्णय लेने का अधिकार भी अध्यक्ष का होता है। जब तक अध्यक्ष न कहें, नगर आयुक्त अपना वक्तब्य नहीं दे सकते हैं। पूरा सदन अध्यक्ष के द्वारा गाइड होता है।

श्री विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि अध्यक्ष के निर्देशों में उपाध्यक्ष बैठक का संचालन कर सकते हैं।

अध्यक्ष ने कहा कि बैठक का संचालन मैं ही कर रही हूँ। एजेण्डे के मद संख्या–1 में पूर्व सम्पन्न बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की जानी है।

20-8-18
(संयुक्ता भाटिया)
महापौर
नगर निगम, लखनऊ

Scanned by CamScanner

मद संख्या (1) :— पूर्व सम्पन्न मा0 कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक 27.06.2018 की कार्यवाही की पुष्टि।

(परिशिष्ट—1)

उपाध्यक्ष ने कहा कि पूर्व सम्पन्न बैठक की कार्यवाही के पेज नं0—3 पर देखें— ''नगर आयुक्त ने मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी को निर्देशित किया कि अगर सी0ए0 काम नहीं करते हैं तो उनको हटाएं। बैठक में जो बात कही जाए, वह पूरी होनी चाहिए। मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी सारे असेट्स और लाइबिलिटी को जोड़ते हुए वर्ष 2015—16 की आडिट रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करें''। तद्क्रम में ''मा0 अध्यक्ष जी ने व्यवस्था दी कि वित्तीय वर्ष 2015—16 व 2016—17 की आडिट रिपोर्ट (संलग्नक सहित) मा0 सदस्यों को उपलब्ध कराते हुए अगली बैठक में प्रस्तुत की जाए''।

मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी ने अवगत कराया कि वर्ष 2015—16 की बैलेंस शीट मा0 सदस्यों को उपलब्ध करायी जा चुकी है। वर्ष 2016—17 की रिपोर्ट बनायी जा रही है, आडिट करायी जा रही है।

उपाध्यक्ष ने कहा कि आडिट आपत्तियां दूर नहीं करायी गयी हैं। आडिट आपत्तियां दूर करायी जाएं।

मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी ने कहा कि टोटल असेट्स के लिए कार्यवाही शुरू हो गयी है। 2549 असेट्स हैं।

नगर आयुक्त ने कहा कि प्रापर समीक्षा हो चुकी है। वर्ष 2016—17 की रिपोर्ट बनायी जा रही है। सी0ए0 ने कमिटमेन्ट किया है कि वर्ष 2016—17 की रिपोर्ट 15 अगस्त तक तैयार हो जाएगी। वर्ष 2017—18 की आडिट रिपोर्ट तैयार करने के लिए 31 अगस्त, 2018 तक समय लिया गया।

श्री सुशील कुमार तिवारी ने कहा कि आडिट रिपोर्ट हिन्दी में दी जाए।

मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी ने कहा कि आडिट रिपोर्ट सेबी के आधार पर तैयार की जाती है।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि आडिटर से कहा जाए कि रिपार्ट हिन्दी में दें।

श्री सुशील कुमार तिवारी ने कहा कि हम लोग हिन्दी मीडियम से पढ़े है। अंग्रेजी में तैयार रिपोर्ट को ट्रांसलेट कराकर प्रस्तुत करें।

नगर आयुक्त ने कहा कि आडिट रिपोर्ट ट्रांसलेट करायी जाएगी।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि अगर रिपोर्ट नियमानुसार नहीं है तो क्या कार्यवाही होगी ? आडिटर ने अगर कहा कि यह विषय पूरा नहीं है तो क्या कार्यवाही होगी ? आडिट्स रिपोर्ट के पृष्ठ संख्या—2 पर देखें—

MAJOR OBSERVATIONS REPORTED ON AUDIT OF ACCOUNTS FOR THE YEAR 2015-16

20-8-18
संयुक्त कार्यकारी महापौर, नगर निगम, लखनऊ

Scanned by CamScanner

- Statutory liabilities of PF, Income Tax, Service Tax and VAT have been timely deposited on the due dats. Proper details to ascertain the quantum of such liabilities could not be provided to us.

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि पी0एफ0, आयकर आदि समय से नहीं जमा किया गया, यह किसकी जिम्मेदारी है ? अगर आडिट रिपोर्ट में यह सिद्ध होता है कि नियम से कार्य नहीं हुआ तो एफ0आई0आर0 तक दर्ज करायी जा सकती है।

नगर आयुक्त ने कहा कि जो आब्जेक्शन हैं वह रिमूव कराये जाएंगे।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि वर्ष 2015–16 की आडिट आपत्तियों को रिमूव कराया जाए। अब दूसरा विन्दु देखिए–

- Property Tax is the major source of Revenue for Municipal corporation. Property wise dues fould not be made available. Like previous Year Nagar Nigam has made an adhoc Provision of 60% of Dues as Irrecoverable, which in our opinion is highly irregular.

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि पूरी तरह से अनियमित है, यह कहा जा रहा है। आडिट रिपोर्ट सही–सही प्रस्तुत हुई है। आगे अन्य विन्दु देखिए–

- Some Bank Accounts are showing negative balances due to improper reconcilation. Besides rectification of old outstanding entries in BRS prepared have not been passed in Books of Accounts.
- Proper Party wise details of liabilities outstanding of Contractors and others are not available.
- Records showing actual Land other Immovable Properties Possessed by nagar Nigam are not available.
- Fixed Assets Register has not been maintained.
- Grant received from State Government in previous year is still unutilized due to wrong booking under expenditure.

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि आपके पास कोई रजिस्टर नहीं है। आपके एक्सपेण्डीचर रखने का तरीका 100 प्रतिशत गलत है। झूठ का पुलिन्दा है।

श्री सुशील कुमार तिवारी ने कहा कि मंशा गलत नहीं है, कोई तथ्य छिपाया नहीं गया है।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि लैण्ड, रोड आदि की स्थिति क्या है, सब गलत है। रिपोर्ट में सब गलत सिद्ध कर दिया है। इसीलिए कभी आडिट रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गयी। श्री विनोद कृष्ण सिंघल जी हमेशा कहते रहे कि आडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

श्री सुशील कुमार तिवारी ने कहा कि आडिट रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी, इसके लिए सराहना की जाती है। जो विषय हैं, आडिट आपत्तियां हैं, उनको दूर करना होगा।

श्री विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि दिसम्बर, 2017 तक की आडिट रिपोर्ट है। इन सात महीनों में आडिट आपत्तियां दूर की जा सकती थीं।

20-8-18
(संयुक्ता भाटिया)
महापौर
नगर निगम, लखनऊ

Scanned by CamScanner

उपाध्यक्ष ने कहा कि अधिनियम के अनुसार प्रतिमाह आडिट रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि वर्ष 2015–16 की बैलेंस शीट सही है या गलत है, बताया जाए। सही माना जाए या गलत माना जाए ?

अध्यक्ष ने निर्देशित किया कि आडिट आपत्तियां दूर करते हुए आडिटेड रिपोर्ट अगली बैठक में सही तथ्यों के साथ प्रस्तुत करें।

श्री सुशील कुमार तिवारी ने पुनः अनुरोध किया कि आडिट रिपोर्ट हिन्दी में प्रस्तुत की जाय।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि सात माह में स्टडी करके आपत्तियां रिमूव करके प्रस्तुत करनी चाहिए थी।

उपाध्यक्ष ने मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी से पूछा कि डाटा प्रतिदिन फीड हो जाती है ?

मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी ने कहा कि प्रतिदिन फीडिंग नही हो पाती है क्यों कि सी0ए0 इस भवन में ग्राउण्ड तल पर बैठते हैं, लेखा विभाग प्रथम तल पर है।

उपाध्यक्ष ने मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी से कहा कि दोनों सी0ए0 को अपने पास बैठाइये। प्रतिदिन डाटा फीड कराइए।

उपाध्यक्ष ने कहा कि पूर्व बैठक की कार्यवाही के पृष्ठ संख्या–7 पर देखें–''मा0 अध्यक्ष जी ने सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि तीसरी रु0 21.00 लाख की किस्त को रु0 11.00 लाख वार्ड विकास और रु0 10.00 लाख आदर्श मोहल्ला हेतु (मा0 सदस्य द्वारा घोषित करने पर ही देय) कर लिया जाय।'' इस पैराग्राफ में 'चौथी किश्त रु0 20.00 लाख' जोड़ लिया जाए।

अध्यक्ष द्वारा सहमति प्रदान की गयी।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि पहले नगर निगम में व्यवस्था थी कि पत्रावलियां रजिस्टर पर चढ़ाई जाती थीं, फिर ठेकेदार प्रत्येक स्टेप पर जाकर पत्रावलियां कराता था। इससे कहीं पत्रावली नहीं रुकती थी। वर्तमान में व्यवस्था है कि पत्रावलियां रजिस्टर पर चढ़कर डाक द्वारा प्रत्येक स्तर पर जाती हैं, इससे समय बहुत लगता है और कोई रिजल्ट पता नहीं चलता है। 75 प्रतिशत काम वार्डों में आज तक शुरू ही नहीं हुए हैं। काम पूरा कराने की जिम्मेदारी किसकी है ?

अध्यक्ष ने कहा कि वार्डों में विकास कार्य कराने की जिम्मेदारी अभियन्त्रण विभाग की है।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि कोई भी जे0ई0 क्या मा0 पार्षदों के पास गया, सम्पर्क किया कि रु0 15.00 लाख का प्रस्ताव कौन–सा है, रु0 27.00 लाख का प्रस्ताव कौन–सा है, हमको दीजिए। मा0 पार्षदों के पास कोई जे0ई0, ए0ई0 नहीं गया। न कोई किसी पार्षद से पूछता है, न कोई सड़क देखता है। रु0 15.00 लाख से

Scanned by CamScanner

होने वाले विकास कार्यों की पत्रावलियां कहाँ हैं, किसी पार्षद को नहीं मालूम हैं। जो पार्षद एक्टिव है, मेहनत करके काम करा लेते हैं। जो पार्षद विभाग नहीं पहुँच पाते हैं, महिलाएं नहीं पहुँच पाती हैं, उनके काम नहीं होते हैं। कितने जे0ई0, ए0ई0 पार्षद के पास गये ?

मुख्य अभियन्ता ने अवगत कराया कि सभी पार्षदों को पत्र भेजे गये थे, प्रस्ताव देने के लिए।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि क्या पार्षद स्टीमेट बनाएंगे। यह जिम्मेदारी विभाग की है। प्रत्येक जे0ई0 की जिम्मेदारी है कि वार्ड विकास प्राथमिकता कार्यों को वार्ड में जाकर स्टीमेट बनाएं, पार्षद से मिलें। जहाँ काम नहीं होगा, जे0ई0 की जिम्मेदारी तय की जाए और कार्यवाही की जाए।

श्री विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि पत्रावलियां जोनों में कम्प्यूटर पर चढ़ाई जाएं। ई आफिस के माध्यम से पत्रावलियां चलें, इससे समय की बहुत बचत होगी। काम जल्दी होंगे।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि मैंने 20–25 दिन पहले एक सड़क नपवाई थी। जब मैंने नगर अभियन्ता से प्रगति पूछी तो उन्होंने बताया कि पत्रावली कमिटमेन्ट शील लगने के लिए लेखा विभाग में गयी है। पता नहीं वास्तव में पत्रावली कहाँ है ? पार्षदों के प्रस्ताव देने के बाद एक सप्ताह में पत्रावली नगर आयुक्त के पास पहुँच जानी चाहिए। 10 दिन में टेण्डर हो जाना चाहिए। जे0ई0, ए0ई0, नगर अभियन्ता सब पत्रावलियों को घुमा रहे हैं, आपत्तियां लगा रहे हैं।

नगर आयुक्त ने कहा कि मा0 पार्षदों द्वारा प्रस्ताव देने के बाद 10 दिन के अन्दर आगणन बनाकर पत्रावली मेरे समक्ष अभियन्त्रण विभाग प्रस्तुत करें। पार्षदगण प्रस्ताव पर तिथि अवश्य लिख दें और प्रस्ताव देकर रिसीविंग ले लें। इंजीनियर पार्षद के साथ प्रस्तावित सड़क का निरीक्षण करें। अवर अभियन्ता प्रतिदिन सुबह या शाम जब भी समय मिले मा0 पार्षदों से मिल कर पूछें कि कहीं चेम्बर, चैनल, नाली, पुलिया आदि टूटी तो नहीं है। शिकायत मिलने पर तत्काल कार्यवाही करें। मेरे पास दो–दो महीने बाद पत्रावलियां आती हैं। अब व्यवस्था की जा रही है कि मेरे समक्ष 10 दिन के अन्दर पत्रावली प्रस्तुत हो। टेण्डर कमेटी निश्चित समय में कार्यवाही करेगी, जिससे कि तद्समय सबके हस्ताक्षर हो जाएं, अनावश्यक विलम्ब न हो। टेण्डर कमेटी फाइनल कर दे। एक माह में काम की शुरुआत हो जाए।

श्री विजय कुमार गुप्ता ने पुनः कहा कि ई–आफिस कान्सेप्ट पर काम होना चाहिए। गृह कर के बारे में पूर्व में भी कहा गया था कि ई–आफिस पर विचार किया जाए।

नगर आयुक्त ने कहा कि ई–आफिस के सम्बन्ध में लगभग काम पूरा हो गया है। शासन के निर्देश भी हैं। ई–आफिस के लिए प्रक्रिया पूरी की जा रही है। सभी आफिसों में ई–आफिस के माध्यम से ही काम होंगे।

Scanned by CamScanner

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि मेन होल कितने समय में ठीक होने चाहिए।

अपर नगर आयुक्त श्री अनिल कुमार मिश्र ने बताया कि शीघ्र मेन होल ठीक होना चाहिए।

श्री गिरीश मिश्रा ने अवगत कराया कि मेरे यहां नाला सफाई के दौरान मेन होल का ढक्कन टूट गया था, मैंने कहा तो इस पर नगर अभियन्ता जोन–5 ने कहा कि स्टीमेट बनेगा। शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर गयी। दो माह हो रहे हैं, आज तक मेनहोल का ढक्कन ठीक नहीं हुआ।

नगर अभियन्ता जोन–5 ने बताया कि 66 मेन होल ठीक होने हैं। टेण्डर में लगा हुआ है।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि यह जवाब होता है इनका। पहले से पत्थर बनवाकर रखे जाते हैं, जहाँ शिकायत मिले, मेन होल का ढक्कन टूटा हो, तुरन्त पत्थर लगना चाहिए।

श्री राज कुमार सिंह ने कहा कि पहले जोनों में गैंगमैन तैनात रहते थे। क्रासिंग आदि टूट जाए तो तुरन्त बननी चाहिए। अब गैंगमैन नहीं दिखते हैं। इसको गम्भीरता से लेते हुए ध्यान दिया जाए।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि गैंगमैन सक्रिय रखे जाएं। शिकायत मिलने पर छोटे–मोटे काम तुरन्त होने चाहिए।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि पूर्व सम्पन्न बैठक की कार्यवाही के मद संख्या–(14) लखनऊ नगर निगम के वार्डो के नये परिसीमन की सीमाओं पर वार्ड का नामे, मा0 महापौर, पार्षद के नाम व मोबाईल नम्बर का बोर्ड लगाये जाने के सम्बन्ध में संकल्प संख्या–(37) द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी थी। क्या कार्यवाही हुई ?

अवगत कराया गया कि बोर्ड लगाने का कार्य कराया जा रहा है।

उपाध्यक्ष ने कहा कि पूर्व सम्पन्न बैठक की कार्यवाही के पेज नं0–13 पर देखें–मद संख्या–(18) उ0प्र0 नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 438(1) के प्राविधानानुसार लखनऊ नगर निगम में तम्बाकू उत्पादों के व्यापार एवं मानवीय इस्तेमाल पर निर्बन्धन और शर्तो के अनुरूप अनुज्ञप्ति लाईसेन्स जारी करने के सम्बन्ध में नगर निगम लखनऊ द्वारा प्रसारित आदेश सं0–386/पी0/पर्या0अभि0/न0अ0 दिनांक 03.02.2018 के क्रियान्वयन हेतु तैयार की गई नियमावली (गाइड लाइन्स) 2018 प्रस्ताव पर संकल्प संख्या–(42) द्वारा सर्वसम्मति से अगली बैठक में प्रस्तुत किये जाने का निर्णय लिया गया था।

अध्यक्ष ने निर्देशित किया कि इस प्रस्ताव को अगली बैठक में प्रस्तुत किया जाए।

Scanned by CamScanner

उपाध्यक्ष ने कहा कि पूर्व सम्पन्न बैठक की कार्यवाही के पेज नं0--17 पर देखें-- नगर आयुक्त ने अवगत कराया था कि "15 जुलाई तक प्रचार विभाग के टेण्डर हो जायेंगे।" क्या टेण्डर हो गये ?

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी श्री अशोक सिंह ने अवगत कराया कि टेण्डर आमंत्रित किए गये थे। कोई टेण्डर नहीं आए। इसमें कई मद और जोड़े गये हैं, अब टेण्डर आएंगे।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि प्रचार विभाग नगर निगम आय का प्रमुख स्रोत है। इसमें किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी श्री अशोक सिंह ने कहा कि जी0एस0टी0 में जाने के कारण विलम्ब हो रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि दो साल के लिए टेण्डर कराया जाना चाहिए।

श्री राजेश सिंह ने कहा कि चार महीने विलम्ब हुआ, किसकी जिम्मेदारी है ?

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी श्री अशोक सिंह ने कहा कि 15 प्रतिशत बढ़ाकर पैसा ले रहे हैं। पैसा जगा हो रहा है। कोई भी एडवरटाइजर लागत लगाता है, काम शुरू करता है, तब तक साल पूरा हो जाता है। इसलिए मेरा सुझाव है कि दो साल के लिए टेण्डर होना चाहिए। अन्य नगर निगमों में भी अध्ययन किया गया है प्रासेस में एक--डेढ़ साल लग जाता है। प्रीमियम में 20--25 प्रतिशत की वृद्धि की जाती है।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि अन्य नगर निगमों में देख लिया जाए, दूसरे साल कितना प्रीमियम बढ़ जाता है। मैट्रो पिलर में साइन बोर्ड आदि लगाकर प्रचार किया जा रहा है। इनसे शुल्क लिया जाए। जब से प्रचार कर रहे हैं, तब से डिमाण्ड भेजी जाए।

अपर नगर आयुक्त श्री अनिल कुमार मिश्र ने बताया कि इस सम्बन्ध में दो बार पत्र भेजे गये हैं।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि सख्ती की जाए। विज्ञापन शुल्क लिया जाए, अन्यथा विज्ञापन हटवाए जाएं।

श्री राजेश सिंह ने कहा कि प्रचार की नियम और शर्तों की कापी मा0 पार्षदों को दी जाए।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि जितने सेल्टर होम्स और पुलिस बूथों पर प्रचार हो रहा है, विज्ञापन शुल्क लिया जाए।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी श्री अशोक सिंह ने कहा कि नियमावली में विज्ञापन शुल्क लिये जाने का प्राविधान है।

उपाध्यक्ष ने कहा कि पूरा विवरण तैयार कर लीजिए, इस सम्बन्ध में बैठक कर ली जाएगी।

20-8-18
(संयुक्ता भाटिया)
सहायक
नगर निगम, लखनऊ

Scanned by CamScanner

श्री मो0 सगीर ने कहा कि बरसात का मौसम है। पूर्व में भी नगर आयुक्त को अवगत कराया गया था 19 कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गये है या उनका निधन हो गया है। काम कराना मुश्किल हो रहा है। मेरे घर का घेराव होता है। सफाई व्यवस्था कैसे ठीक होगी ? जिनका निधन हो गया है या सेवानिवृत्त हो गये हैं, उनकी जगह पर जब तक नियमित नियुक्त न हो जाए तब तक कार्यदायी संस्था से कर्मचारी तैनात किए जाएं। कार्यदायी संस्था से कर्मचारी रखने की फाइल बनी थी, वह फाईल भी गायब हो गयी है।

नगर आयुक्त ने आश्वासन दिया कि फाइल खोजवाकर कर्मचारी तैनात किये जाएंगे।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि पूर्व बैठक में अन्य प्रस्ताव संख्या–(2) के तहत् पेपर मिल वार्ड के अन्तर्गत आने वाले कैफी आजमी आडिटोरियम का संचालन के सम्बन्ध में प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था, जिस पर संकल्प संख्या–(64) द्वारा निर्णय लिया गया था कि ''परीक्षण कर लिया जाए''। इस पर क्या कार्यवाही हुई ? क्या परीक्षण किया गया ? परीक्षण किया जाए, क्या स्थिति है ?

अध्यक्ष ने कहा कि परीक्षण करने के लिए एक उप समिति गठित कर दी जाएगी, उप समिति अपनी रिपोर्ट देगी, तद्नुसार कार्यवाही होगी।

श्री राजेश सिंह ने कहा कि आये–दिन आडिटोरियम में कार्यक्रम हो रहे हैं। जब तक उप समिति निर्णय न ले ले, तब तक कार्यक्रमों के आयोजन पर रोक लगा दी जाए।

संकल्प संख्या (67) :– सर्वसम्मति से पूर्व सम्पन्न मा0 कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक 27.06.2018 की कार्यवाही की पुष्टि की गयी।

श्री सुशील कुमार तिवारी ने कहा कि हमारे वार्ड में अथक प्रयासों से नगर निगम ने जमीन वापस ली है। मेरा प्रस्ताव है कि भूमिगत दो स्टोरी की पार्किंग बना दी जाए, जिससे कि हमारे वार्ड में जाम न लगे। लोग गाड़ियां गलियों में खड़ी कर देते हैं, इससे इमरजेन्सी में एम्बुलेंस भी नहीं निकल सकती है। पार्किंग बनवायी जाए और स्कूल भी बनवाया जाए

अध्यक्ष ने व्यवस्था देते हुए कहा कि जांच करवाकर नीचे भूमिगत पार्किंग ऊपर विद्यालय बनवाया जाए।

मद संख्या (2) :– रोड कटिंग के सम्बन्ध में रिलायंस जियो/एयरटेल/ग्रीन गैस एवं अन्य कम्पनियों द्वारा की जा रही रोड कटिंग के सम्बन्ध में।

नगर आयुक्त ने कहा कि धरोहर राशि जब्त की जाए।

श्री राजेश सिंह ने कहा कि बरसात चल रही है, सबको रोक दिया जाए, कि खुदाई न करें।

Scanned by CamScanner

नगर आयुक्त ने निर्देशित किया कि सबको रोका जाए, बरसात हो रही है, खुदाई न करें, अन्यथा रोड धंस जाएगी। लेसा वाले रोड कटिंग कर रहे हैं, उन्हें भी रोका जाए।

संकल्प संख्या (68) :– सर्वसम्मति से रोड कटिंग के सम्बन्ध में रिलायंस जियो/एयरटेल/ ग्रीन गैस एवं अन्य कम्पनियों द्वारा की जा रही रोड कटिंग के सम्बन्ध में विभागीय आख्या के साथ अगली बैठक में प्रस्तुत किये जाने का निर्णय लिया गया।

मद संख्या (3) :– उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा निर्मित कनेक्टिंग चेम्बर के लिए की जा रही रोड कटिंग के सम्बन्ध में।

श्री विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि चेम्बर का बेस नहीं बनाया जा रहा है। चैम्बर बनाने में बैलास्ट का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। पुरानी टाइल्स लगा रहे हैं। क्वालिटी खराब है। 50 प्रतिशत सी ग्रेड का पाइल लगा रहे हैं। प्रेशर मेन्टेन नहीं होता है। मौरंग का इस्तेमान नहीं कर रहे है, डस्ट इस्तेमाल कर रहे हैं। कटिंग ठीक तरह नहीं बना रहे हैं। तीन–चार फिट की गली है, तो वह पूरी गली बननी चाहिए। कमेटी बनायी जाए, नगर आयुक्त जी स्वयं रहें, निरीक्षण किया जाए। विडम्बना है, तमाम जगह सीवर कनेक्ट नहीं किये गये। सीवर सफाई नहीं हो रही है। जल निगम कह रहा है कि जल संस्थान सीवर सफाई करे। ये कनेक्टिंग चेम्बर तो बना रहे हैं, लेकिन इनके आदमी साफ नहीं कर रहे हैं।

श्री राजेश सिंह ने कहा कि रोड बनाने का काम कार्यदायी संस्था नगर निगम करे। इससे काम ठीक होगा। यह प्रस्ताव शासन भेजा जाए।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि जे0एन0एन0यू0आर0एम0 के अन्तर्गत जल निगम द्वारा किये गये कार्यों का उदाहरण है। जल निगम द्वारा जितनी लाइनें डाली गयीं हैं, क्या काम कर रही हैं। नगर निगम से इनको कोई मतलब नहीं है। जहां चाहें खुदाई करके काम शुरू कर देते हैं। कोई सलाह नगर निगम के अभियन्ताओं से नहीं लेते हैं। मनमाने ढंग से कार्य कर रहे हैं। कोई मानीटरिंग नहीं होती है। मैं जल निगम से पूछना चाहता हूँ कि क्या किसी पार्षद, नगर निगम के जे0ई0 या ए0ई0 से सलाह लेते हैं। सीवर लाइन आदि जाम पड़ी हैं, कोई मापदण्ड नहीं है।

श्री एस0के0 गौतम, अधिशाषी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि पहली बार अमृत योजना के अन्तर्गत कार्य कराया जा रहा है। गुणवत्ता के लिए पाईप आई0आई0टी, सीतापुर से टेस्टिंग करायी गयी है। नगर निगम के जे0ई0, ए0ई0 से सम्पर्क किया जाता है।

श्री गिरीश मिश्रा व मो0 सगीर ने कहा कि ये झूठ बोल रहे हैं, कोई सम्पर्क नहीं कर रहे हैं।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि उ0प्र0 जल निगम के अधिकारी नगर निगम अभियन्ताओं और क्षेत्रीय पार्षद से परामर्श अवश्य लें।

Scanned by CamScanner

श्री विजय कुमार गुप्ता ने पुनः कहा कि चेम्बर का बेस नहीं बना रहे हैं। चेम्बर धंसेगें और रोड धंसेगी।

नगर आयुक्त ने निर्देशित किया कि बारिस में काम बन्द कर दिया जाए। रेस्टोरेशन का काम ठीक नहीं हो रहा है। टाइल्स ऊपर ही रख देते हैं। सही ढंग से काम नहीं कर रहे हैं। गलियां खराब हो रही हैं। प्रापर वे में रेस्टोरेशन कार्य हो। रेस्टोरेशन कार्य पार्षद और नगर निगम के जे0ई0, ए0ई0 को साथ में लेकर करें।

श्री गिरीश मिश्रा ने पूछा कि अमृत योजना के अन्तर्गत जो रोड काटी जा रही है, उसका रेस्टोरेशन कौन करेगा ?

नगर आयुक्त ने बताया कि अमृत योजना के अन्तर्गत उ0प्र0 जल निगम द्वारा जो रोड कटिंग की जा रही है उसके रेस्टोरेशन कराने का काम उ0प्र0 जल निगम का ही है।

श्री मो0 सगीर ने कहा कि इनके पास अनुभव नहीं है। रोड कटिंग ठीक ढंग से नहीं बनाते हैं।

संकल्प संख्या (69) :— सर्वसम्मति से उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा निर्मित कनेक्टिंग चेम्बर के लिए की जा रही रोड कटिंग तथा रेस्टोरेशन कार्य की जाँच के सम्बन्ध में निम्नवत् उप समिति का गठन किया गया :—

1— क्षेत्रीय पार्षद
2— अधिशाषी अभियन्ता, नगर निगम, लखनऊ (श्री एस0के0 जैन)
3— क्षेत्रीय नगर अभियन्ता, नगर निगम, लखनऊ
4— अधिशाषी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम, लखनऊ
5— क्षेत्रीय अधिशाषी अभियन्ता, जलकल विभाग

उक्त समिति अपनी जाँच रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करे।

श्री विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि बड़े नाले लम्बी स्लैब के कारण साफ नहीं हो पाते हैं। शिल्ट जमा हो जाती है। 40—50 फुट तक स्लैब होती है। 9 इंच का पत्थर डाला जाता है, जिसमें एक व्यक्ति भी नहीं घुस पाता है। मेरा सुझाव है कि लम्बी स्लैबों को बीच से काट लें। टुकड़ा, बन्द करने के लिए ठीक नहीं बचता है तो दूसरा पत्थर बनाकर ढका जाए। इससे नाले साफ हो सकेंगे। हमारे वार्ड में दो साल से नाले पर अतिक्रमण है। मैंने कई बार कहा, लेकिन अतिक्रमण नहीं हटवाया गया। नाला नहीं साफ कराया गया। जोनल अधिकारी और नगर अभियन्ता एक—दूसरे पर जिम्मेदारी टाल रहे हैं। दण्डात्मक कार्यवाही होनी चाहिए।

जोनल अधिकारी जोन—6 ने अवगत कराया कि संदर्भित अतिक्रमण अभियन्त्रण विभाग को हटवाना है।

मुख्य अभियन्ता ने कहा कि अपर नगर आयुक्त जी के निर्देशन में जोनल अधिकारी को ही अतिक्रमण हटवाना है।

Scanned by CamScanner

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि यह समस्या हर जगह है। नालों की सफाई हेतु टेण्डर मई में हो जाने चाहिए, इस बार जून तक टेण्डर नहीं हुए। हम लोग बहुत पहले से कह रहे थे कि टेण्डर कराये जाएं, समय से नाले साफ कराए जाएं। मेयर साहब के दरवाजे से होकर जो नाला गुजरता है, उसकी सफाई नहीं हुई।

अध्यक्ष ने नगर अभियन्ता जोन–5 से पूछा कि कानपुर रोड नाले की सफाई हुई कि नहीं हुई ?

नगर अभियन्ता जोन–5 ने बताया कि कानपुर रोड नाले की सफाई नहीं हुई।

अध्यक्ष ने निर्देशित किया कि नगर अभियन्ता जोन–5 के विरुद्ध कार्यवाही की जाए।

नगर आयुक्त ने कहा कि नालों की सफाई कराने का काम जोनल अधिकारियों का है। जोनल अधिकारी नगर अभियन्ताओं को साथ में बुलाकर नालों की सफाई का कार्य करायें। अगर नगर अभियन्ता सहयोग नहीं करते हैं तो नगर आयुक्त को बताएं। यह चीज रिपीट नहीं होनी चाहिए। नाले साफ नहीं होंगे तो जल भराव होगा। जिम्मेदारी जोनल अधिकारियों की होगी।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि एक मीटर से ऊपर चौड़े नालों की सफाई कराने का काम जोनल अधिकारियों का नहीं है, अभियन्त्रण विभाग का काम है। सीमांकन अभियन्त्रण विभाग करेगा।

श्री मुनेन्द्र सिंह राठौर, जोनल अधिकारी जोन–1 ने कहा कि यह कार्य अभियन्त्रण विभाग का है, अभियन्त्रण विभाग करे। जोनल अधिकारी यदि साथ न दें, तब कहा जाए।

श्री सुशील कुमार तिवारी ने कहा कि जगह–जगह नालों पर अतिक्रमण हैं। नालों पर से अतिक्रमण तोड़ा जाए।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि अभियन्त्रण विभाग द्वारा साफ कराये गये नालों की शिल्ट आज तक नहीं उठी।

श्री सुशील कुमार तिवारी ने कहा कि हैदर कैनाल नाला हमारे वार्ड से होकर जाता है, उसकी सफाई की जिम्मेदार किसकी है ? नाला साफ नहीं हुआ है।

श्री मुनेन्द्र सिंह राठौर, जोनल अधिकारी जोन–1 ने अवगत कराया कि बैरल नं0–14 कल हमने खड़े होकर चलवाया, जबकि नगर अभियन्ता की जिम्मेदारी है, वह दिखाई तक नहीं दिए।

श्री एस0के0 जैन, अधिशाषी अभियन्ता ने अवगत कराया कि पूरी तरह से नाला बन्द था। हमने फासी मशीन लेकर सफाई करायी, तब जल निकासी हुई।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि शहर में जल भराव हो रहा है। पार्षद गाली खा रहे हैं। आप लोग नाला नहीं साफ करा रहे हैं। कल रात हो रही बरसात में नगर आयुक्त और महापौर जी द्वारा रात भर मानीटरिंग की गयी है।

Scanned by CamScanner

अध्यक्ष ने निर्देशित किया जो नाले साफ नहीं हुए हैं, सम्बन्धित का स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाए।

श्री विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि हमारे वार्ड में नाला साफ नहीं हुआ है, सम्बन्धित के विरुद्ध कार्यवाही हो।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि मा0 अध्यक्ष ने निर्देश दे तो दिए हैं, कि जो नाले साफ नहीं हुए हैं, सम्बन्धित का स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाए।

उपाध्यक्ष ने कहा कि बैरल नं0–(2) के सम्बन्ध में ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट किया जाए।

अध्यक्ष ने निर्देश दिए किए कि बारिश हो रही है। जोनल अधिकारी और नगर अभियन्ता अपने–अपने क्षेत्र में जाएं, जल निकासी की समस्याओं का निस्तारण कराएं।

श्री मो0 सगीर ने कहा कि मोहन मीकिन वाले बैरल को देख लिया जाए। घरों में पानी घुस रहा है।

–श्री विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि गृहकर में ब्याज माफी लागू है, पेयजल पर भी ब्याज माफ किया जाए।

महाप्रबन्धक, जलकल विभाग ने कहा कि पहली बार जो बिल भेजे गये हैं, कोई ब्याज/सरचार्ज नहीं लिया जा रहा है।

श्री राजेश मालवीय ने कहा कि हमारे वार्ड में एक नलकूप स्थापित होना था, क्या प्रगति है ?

महाप्रबन्धक, जलकल विभाग ने अवगत कराया कि शहर के विभिन्न वार्डों में चार नलकूप लगने हैं, एक नलकूप में रु0 15.00 लाख लागत आती है। कार्यवाही हो रही है। चार नलकूप हैं, त्वरित राहत के लिए रु0 60.00 लाख जैसे ही स्वीकृत हो जाएगा, नलकूल स्थापित कराने की कार्यवाही शुरू हो जाएगी।

अध्यक्ष ने भोजन के लिए बैठक आधा घण्टा स्थगित की।

अध्यक्ष ने पुनः बैठक की कार्यवाही प्रारभ करने के निर्देश दिए।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि जोन–7 पटेल नगर स्थित सतवा तालाब नाला नहीं बना है, नाला बनना है, अब तक क्या कार्यवाही हुई ? टेण्डर हुआ था, क्या स्थिति है ? काम भी आवश्यक है, टेण्डर भी हो चुका है। उस क्षेत्र में बहुत जल भराव हो रहा है।

नगर आयुक्त ने अवगत कराया कि नाला बनना है, पम्प लगना है। करीब रु0 6.00 करोड़ का काम है। फण्ड तय होना है। जब तय हुआ कि अण्डरग्राण्ड नाला नहीं बनाया जाएगा, तब टेण्डर कैंसिल हुआ।

Scanned by CamScanner

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि मानीटरिंग करके काम कराया जाए, ताकि व्यवधान उत्पन्न न हो।

मद संख्या (4) :– उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा संचालित की जा रही योजना एस0टी0पी0 के सम्बन्ध में।

नगर आयुक्त ने मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी से पूछा कि एस0टी0पी0 की वार्डवार कटौती की क्या स्थिति है ?

मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी ने अवगत कराया कि शासन ने वर्ष 18–19 की कटौती कर रखी है।

मद संख्या (5) :– ईको ग्रीन के समक्ष अधिकारियों की उपस्थिति में सफाई सम्बन्धी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के सम्बन्ध में।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि ईको ग्रीन के अधिकारी जो यहां उपस्थिति हैं, जहां–जहां कूड़ा उठान की व्यवस्था कर रहे हैं, ये पंक्चुवललिटी, टाइमली रिस्पांसिबिलिटी कब अपने ऊपर तय करेंगे। नगर निगम, लखनऊ से क्या चाहते हैं, उनकी नगर निगम, लखनऊ से क्या अपेक्षा है, बताएं ?

श्री अभिषेक, इकोग्रीन कम्पनी द्वारा अवगत कराया गया कि जोन–5 व 8 में हम कार्य कर रहे हैं। डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन हो रहा है।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि नगर निगम, लखनऊ से आप क्या चाहते हैं ! क्योंकि हर घर से कूड़ा नहीं उठ रहा है।

श्री अभिषेक, इकोग्रीन कम्पनी ने कहा कि डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन, सेकेण्ड्री और प्रोसेस तीन चरणों में काम हो रहा है।

श्री राजेश सिंह ने कहा कि 15–20 दिनों से कूड़ा नहीं उठ रहा है, आपका कोई आदमी कूड़ा उठाने नहीं आ रहा है।

श्री अभिषेक, इकोग्रीन कम्पनी ने बताया कि डेवलपमेन्ट प्लान बनाया गया था। मिनी ट्रिपर, डम्पर प्लेसर आदि की सूची है, जो नगर निगम से हमें ट्रांसफर होने थे, सूची के अनुसार पूरे ट्रांसफर नहीं हुए। जे0सी0बी0 आज तक नहीं चल पायी है। पूरे साधन नहीं मिल पाए, इसलिए कुछ दिक्कतें आ रही हैं।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि नगर निगम भी अपने साधनों से काम कर रहा है। सब कुछ ईकोग्रीन कम्पन्नी को दे दिया जाए और ये कहीं काम बन्द कर दें, तो पूरी व्यवस्था ही चौपट हो जाएगी। शहर का कूड़ा उठान ही बन्द हो जाएगा। इसलिए कुछ सामान इनको उपलब्ध कराया गया है।

श्री अभिषेक, इकोग्रीन कम्पनी ने बताया कि हमने मैनपावर बढ़ाया तो पेमेन्ट नहीं मिल पाया।

श्री विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि ईकोग्रीन कम्पनी लेबरों को टाइमली पैसा नहीं देती है। हमारी जानकारी में एक एजेन्सी है, जिसे पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर

Scanned by CamScanner

कूड़ा उठाने का काम दिया जा सकता है। वह डोर–टू–डोर कूड़ा उठाने का रु0 33/– प्रति घर से लेते हैं। इसमें घर–घर से कूड़ा लेकर प्रोसेसिंग स्थल तक पहुंचाने की प्रक्रिया सम्मिलित है। उन्होनें एजेन्सी के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

श्री सुशील कुमार तिवारी ने कहा कि ईकोग्रीन कम्पनी द्वारा क्षेत्रीय पार्षदों से कोई सम्पर्क नहीं किया जाता है।

श्री अभिषेक, इकोग्रीन कम्पनी ने आश्वासन दिया कि हम अपनी सर्विस बेहतर बनाने के लिए प्रयास करेंगे।

उपाध्यक्ष ने कहा कि डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन नहीं हो रहा है, व्यवस्था चरमरा गई है। व्यवस्था ठीक करने की आवश्यकता है।

नगर आयुक्त ने कहा कि जब तक 100 प्रतिशत डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन नहीं होगा, तब तक व्यवस्था ठीक नहीं होगी। जहां डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य होता है वहां एक बार झाड़ू लगने के बाद दिन भर चमकता रहता है। ईकोग्रीन कम्पनी ने व्यवस्था सुधारने के लिए तीन माह का समय मांगा था। एक माह हो गया है। इकोग्रीन कम्पनी को डेढ़ करोड़ रुपया प्रतिमाह दिया जा रहा है। कहा गया था एक करोड़ यूजर चार्ज वसूल करके दें। पचास लाख हम मिलाएंगे। हम घाटे में जा रहे है, जबकि हमको प्राफिट मिलना चाहिए और इस प्राफिट से कूड़ाघरों को मेन्टेन करना है। कूड़ाघरों को मकेनाइज करेंगे।

उपाध्यक्ष ने ईकोग्रीन कम्पनी से पूछा कि आपके पास मैनपावर कितनी है, कितने वार्डो में ढंग से काम कर सकते हैं।

श्री अभिषेक, इकोग्रीन कम्पनी ने बताया कि सवा करोड़ सैलरी पर व्यय हो रहा है। 1600 के करीब मैनपावर है। मैनपावर को और बढ़ाया जा रहा है।

श्री मो0 सगीर ने कहा कि हमारे वहां 17 मोहल्ले हैं। यूजर चार्जेज सबसे वसूला जा रहा है। केवल दो आदमी लगे हुए हैं। तीन–चार माह से डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन नहीं किया जा रहा है।

श्री राज कुमार सिंह ने कहा कि डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन में लगे मैनेजर आदि मेन–मेन कर्मचारियों की सूची मोबाइल नं0 सहित उपलब्ध करायी जाए।

श्री मो0 सगीर ने कहा कि अपने कर्मचारियों को हम वेतन दे रहे हैं। ईकोग्रीन कम्पनी का बोझ ऊपर से झेल रहे हैं। यह कम्पनी हमारे यहां कोई कार्य नहीं कर रही है। मैं इस कम्पनी को एक पैसा वसूलने नहीं दूंगा।

श्री अभिषेक, ईकोग्रीन कम्पनी ने कहा कि मैंने जो समय लिया है उसमें सुधार कर लूंगा। एक महीना हुआ है, तीन माह का समय लिया है।

उपाध्यक्ष ने ईकोग्रीन कम्पनी से कहा कि मा0 पार्षदों से सम्पर्क करते रहो, पार्षदों से सुझाव लेते हुए कार्य करो।

अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि हर घर से कूड़ा उठना चाहिए।

Scanned by CamScanner

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि ईकोग्रीन कम्पनी का वर्तमान में नगर निगम के पास कोई विकल्प नहीं है। विद प्रोसेसिंग इनके अतिरिक्त हमारे पास कोई व्यवस्था नहीं है। जब तक हम विकल्प तैयार नहीं कर लेते हैं तब तक इनसे काम लेना है। इनके पास समस्या यह है कि 80 प्रतिशत सफाई कर्मचारी असम के हैं। असमी अपने कार्य के प्रति उत्तरदायी नहीं हैं। उनको पैसा मिलता है तो काम करते हैं, नहीं तो काम बन्द कर देते हैं, घर भाग जाते हैं। ईकोग्रीन कम्पनी के पास कोई सब्स्टीट्यूट नहीं है, तुरन्त कोई व्यवस्था नहीं है। अगर गाड़ी बिगड़ गयी तो सब्स्टीट्यूट नहीं है कि वहां पर कूड़ा उठ जाए। मानीटरिंग नहीं है। क्षेत्रीय पार्षदों, संभ्रान्त व्यक्तियों से इनका कोई कोआर्डिनेशन नहीं है। सूचना मिली तो गाड़ी दौड़ा देते हैं, सूचना नहीं मिली तो कूड़ा नहीं उठता है। महीनों यह लोग मीटिंग नहीं करते हैं। पूरे शहर को एक नगर आयुक्त चलाते हैं। सामांजस्य बनाते हैं, मीटिंगे करते है, तब नगर निगम चलता है । व्यवस्था को चलाने के लिए मानीटरिंग आवश्यक है, बैठकें करना आवश्यक है। ईकोग्रीन कम्पनी के पास न तो साधन है और न ही पर्याप्त मैनपावर है। हम लोगों की कमी यह है कि इनको पड़ावघर नहीं दे पा रहे हैं। पूरे आलमबाग में केवल दो काम्पैक्टर लगे हैं।

अध्यक्ष ने कहा कि जगह मिल जाएगी, यह काम्पैक्टर नहीं ला पा रहे हैं। काम्पैक्टर लाएं, जगह उपलब्ध करायी जाएगी।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि स्थान उपलब्ध कराया जाए, यह काम्पैक्टर लगवायेंगे।

अध्यक्ष ने व्यवस्था देते हुए कहा कि व्यवस्था सुधारने हेतु अगस्त और सितम्बर दो माह का समय ईकोग्रीन कम्पनी को दिया जाता है।

श्री सुशील कुमार तिवारी ने कहा कि कहीं तीन कर्मचारी लगे हैं तो कहीं 10 कर्मचारी लगे हैं। सब जगह बराबर कर्मचारी लगाकर कूड़ा उठवाएं।

नगर आयुक्त ने महाप्रबन्धक, जलकल विभाग को निर्देशित किया कि सीवर सफाई का कार्य ठीक से कराया जाए, शहर में तमाम जगह सीवर समस्याएं हैं।

श्री सुशील कुमार तिवारी ने कहा कि 5–5 कर्मचारी सीवर सफाई के लिए हमारे यहां काम करते हैं, जहां नहीं हैं, वहां तैनात किए जाएं।

महाप्रबन्धक, जलकल विभाग ने कहा कि जहां–जहां सीवर समस्या है आप बताएं, हम सफाई करायेंगे।

श्री राज कुमार सिंह ने कहा कि हमारे क्षेत्र में केवल चार सीवर सफाई कर्मचारी काम कर रहे हैं। कर्मचारी बढ़ाएं जाएं।

मद संख्या (7):– हाऊस टैक्स/जलकर पर पूर्व की भाँति 10 प्रतिशत दी जाने वाली छूट की समय सीमा दिनांक 31.08.2018 तक बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में।

संकल्प संख्या (70) :– सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी।

Scanned by CamScanner

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि पूर्व में भी मा० कार्यकारिणी समिति/सदन मे पास किया जा चुका है कि नगर निगम, लखनऊ में नगर निगम निधि से जो भी कार्य कराए जाएं उनके शिलापट् में क्षेत्रीय पार्षद और महापौर का ही नाम लिखा जाए। विधायक, सांसद या मंत्री का नाम न लिखा जाए। जो कार्य अवस्थापना निधि, विधायक, सांसद निधि से कराये जाएं उनके शिलापट में मंत्री, विधायक, सांसद और महापौर का नाम लिखा जाए।

श्री सुशील कुमार तिवारी ने कहा कि एक–दो साल पूर्व राम पाल अधिकारी के नाम से नामकरण का प्रस्ताव पारित हुआ था, उनका सही नाम राम लाल अग्निहोत्री था। संशोधन कर लिया जाए।

श्री सुशील कुमार तिवारी ने कहा कि स्थानीय जनता की मांग है कि अलितरंग के सामने कल्याण मण्डप व पार्क अवस्थापना निधि से बनवाया जाए।

संकल्प संख्या (71) :– सर्वसम्मति से भूमि के सम्बन्ध में परीक्षण कराकर धन की उपलब्धता के अनुसार कार्यवाही की जाय।

अन्य प्रस्ताव :– अध्यक्ष की अनुमति से अन्य प्रस्ताव के तहत् नामकरण के सम्बन्ध में निम्नवत् प्रस्ताव मा० कार्यकारिणी समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गये :–

1– एल०डी०ए०कालोनी कानपुर रोड स्थित सेक्टर एफ के एल०आई०जी० पार्क का नामकरण ''स्व० प्रेम सिंह विष्ट पार्क'' करने के सम्बन्ध में श्री विमल तिवारी, मा० पार्षद, विद्यावती प्रथम वार्ड /सदस्य, मा० कार्यकारिणी समिति द्वारा प्रेषित प्रस्ताव।

2– अवध चौराहे से एयरपोर्ट चौराहे तक मुख्य मार्ग का नामकरण ''स्व० हेमवर्त नन्दन बहुगुणा मार्ग'' करने के सम्बन्ध में श्री रजनीश कुमार गुप्ता व अन्य पार्षद द्वारा प्रेषित प्रस्ताव।

3– नजरबाग के मोहल्ला फूलबाग में नाजनीन पैलेस होटल से श्री कामरान बे पार्षद के आवास के सामने की गली होते हुए रिजवान के मकान तक की गली नामकरण ''स्व० शाहिद मिर्जा गली'' करने के सम्बन्ध में श्री कामरान बेग, पार्ष नजरबाग वार्ड द्वारा प्रेषित प्रस्ताव।

4– मोहल्ला नजरबाग में स्व० चन्द्र शेखर द्विवेदी (आई.ए.एस.) के निवास के साम की लेन का नामकरण ''स्व० चन्द्रशेखर द्विवेदी (आई.ए.एस.) लेन'' करने सम्बन्ध में श्री कामरान बेग, पार्षद, नजरबाग वार्ड द्वारा प्रेषित प्रस्ताव।

5– मोहल्ला नजरबाग में स्थित किसी एक पार्क का नामकरण ''स्व० अब्दुर्रहमान ख खन्दारी पार्क'' करने के सम्बन्ध में श्री कामरान बेग, पार्षद, नजरबाग वार्ड द्वार प्रेषित प्रस्ताव।

6– आलमबाग चौराहे से अवध चौराहे तक मार्ग का नामकरण ''अमर शहीद सन्त कँवरराम मार्ग'' तथा आलमबाग चौराहे का नामकरण ''अमर शहीद संत कँवरराम

Scanned by CamScanner

चौराहा" करने के सम्बन्ध में श्री राजेश कुमार मालवीय, पार्षद/सदस्य, मा0 कार्यकारिणी समिति एवं श्री राम कृष्ण यादव, उप नेता, भाजपा पार्षद दल द्वारा प्रेषित प्रस्ताव।

7– पं0 दीनदयाल उपाध्याय स्मृतिका (जे0एन0पी0जी0 कालेज) चारबाग से बंगलाबाजार चौराहे तक के मार्ग का नामकरण "पं0 दीनदयाल उपाध्याय मार्ग" करने के सम्बन्ध में श्री रजनीश कुमार गुप्ता, पार्षद एवं श्री राजेश कुमार मालवीय, सदस्य, मा0 कार्यकारिणी समिति द्वारा प्रेषित प्रस्ताव।

8– इन्दिरा नगर वार्ड स्थित भवन संख्या–बी/2670 के सामने पार्क का नामकरण "भागीरथी पार्क" करने के सम्बन्ध में श्री वीरेन्द्र कुमार (वीरू), पार्षद, इन्दिरा नगर वार्ड द्वारा प्रेषित प्रस्ताव।

9– इन्दिरा नगर वार्ड स्थित भवन संख्या–डी/3059 के सामने वाले पार्क का नामकरण "भगवान श्री परशुराम जी पार्क" करने के सम्बन्ध में श्री वीरेन्द्र कुमार (वीरू), पार्षद, इन्दिरा नगर वार्ड द्वारा प्रेषित प्रस्ताव।

10– विद्यावती वार्ड द्वितीय में स्थित शिव आश्रम वाले पार्क का नामकरण "चैतन्य महाप्रभु पार्क" करने के सम्बन्ध में विमल तिवारी, मा0 पार्षद, विद्यावती प्रथम वार्ड /सदस्य,मा0 कार्यकारिणी समिति द्वारा प्रेषित प्रस्ताव।

11– मैथिली शरण गुप्त वार्ड में रैन बसेरा का नामकरण "अटल रैन बसेरा" करने के श्री दिलीप कुमार श्रीवास्तव, मा0 पार्षद, मैथिलीशरण गुप्त वार्ड द्वारा प्रेषित प्रस्ताव।

12– आम्रपाली बाजार के निकट गोल चौराहे का नामकरण "अहिंसा चौक" करने के सम्बन्ध में श्री दिलीप कुमार श्रीवास्तव, मा0 पार्षद, मैथिलीशरण गुप्त वार्ड द्वारा प्रेषित प्रस्ताव।

13– भूतनाथ, सेंट डॉमनिक स्कूल गेट के पीछे तक सड़क का नामकरण स्वतंत्रता संग्राम सेनानी "श्री पति राय मार्ग" करने के सम्बन्ध में श्री दिलीप कुमार श्रीवास्तव, मा0 पार्षद, मैथिलीशरणगुप्ता वार्ड द्वारा प्रेषित प्रस्ताव।

संकल्प संख्या (72) :– सर्वसम्मति से उपरोक्त नामकरण के प्रस्तावों पर स्वीकृति प्रदान की गयी।

20-8-
(संयुक्ता भाटिया)
महापौर
नगर निगम, लखनऊ

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि नामकरण के प्रस्ताव पर क्षेत्रीय पार्षद की संस्तुति आवश्यक है।

अध्यक्ष ने कहा कि पहले से नामकरण है तो निरस्त माना जाएगा।

नगर आयुक्त ने कहा कि मा0 महपौर जी के लिए एक वाहन क्रय किये जाने का प्रस्ताव है। मा0 कार्यकारिणी समिति के सदस्य यदि सहमत हो तो एक वाहन क्रय कर लिया जाए।

Scanned by CamScanner

मा0 सदस्य ने सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि एक बढ़िया गाड़ी क्रय की जाय।

संकल्प संख्या (73) :— सर्वसम्मति से लखनऊ विकास प्राधिकरण से प्राप्त धनराशि/नगर निगम निधि से मा0 महापौर जी के प्रयोगार्थ एक चार पहिया वाहन क्रय किये जाने का निर्णय लिया गया।

श्री गिरीश मिश्रा ने कहा कि पार्षदगण जनता की समस्याओं के निस्तारण हेतु, वार्ड विकास हेतु दौड़ते हैं, बैठकों में आते हैं, फोन पर पैसा खर्च करते हैं। पार्षदों के लिए भी कुछ निर्णय होना चाहिए। कोई न कोई व्यवस्था की जाए।

मा0 अध्यक्ष ने कहा कि मा0 पार्षदों को भत्ता दिये जाने की मांग सरकार से की गयी है। इस सम्बन्ध में प्रभावी पैरवी की जाएगी।

अध्यक्ष ने कहा कि आगामी मा0 सदन की बैठक की तिथि 11.08.2018 तय की जाती है।

तत्पश्चात् मा0 अध्यक्ष ने घोषणा की कि आज की बैठक समाप्त की जाती है।

(संयुक्ता भाटिया)
अध्यक्ष/महापौर
मा0 कार्यकारिणी समिति।

(संयुक्ता भाटिया)
महापौर
नगर निगम, लखनऊ

20-8-18
(संयुक्ता भाटिया)
महापौर
नगर निगम, लखनऊ

Scanned by CamScanner